अंक 21 माहः अप्रैल 2026

विश्वत

मासिक पत्रिका

AN ISO 9001:2015 CERTIFIED FOR QMS
DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
A part of aisect india Khandwa, Madhya Pradesh
Approved by: MP Govt., AICTE, NCTE, MP PARAMEDICAL COUNCIL, PCI, Recognized by: UGC Member of: AIU

विश्वविद्यालय मासिक पत्रिका

"ऊर्जस्वला वर्चस्वला अतिनिष्चला विजये
We are Energetic, Influential and are Always Committed"

मास का सूत्र

"एक विचार लो, उस विचार को अपना जीवन बना लो; उसी के बारे में सोचो, उसी का स्वप्न देखो और उसी पर कार्य करो — सफलता निश्चित है।"

— स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

" शिक्षा मनुष्य में अंतर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति है।" युगपुरुष स्वामी विवेकानंद का यही विचार आज की आधुनिक प्रबंधन शिक्षा की आत्मा है। प्रबंधन शिक्षा केवल व्यवसाय संचालन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र-निर्माण का सशक्त आधार है। एक सफल और प्रभावी प्रबंधक केवल भौतिक संसाधनों का संचालन नहीं करता, बल्कि अपने सुदृढ़ व्यक्तित्व, नैतिक मूल्यों, दूरदर्शिता और सेवा-भाव से समाज में एक सकारात्मक बदलाव का सूत्रपात करता है।

स्वामी विवेकानंद स्कूल ऑफ मैनेजमेंट इसी पावन आदर्श को केंद्र में रखकर अपने विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल और चरित्र का सर्वांगीण विकास करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमारा मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, उद्यमशील सोच, नैतिक मूल्यों तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना है। स्वामी जी का अमर उद्घोष—"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए"—हमारे प्रत्येक विद्यार्थी को उत्कृष्टता, नवाचार (Innovation) और नेतृत्व की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने की ऊर्जा देता है।

आज जब वैश्विक परिदृश्य में व्यवसाय और प्रबंधन के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं, तब भारतीय ज्ञान परंपरा और स्वामी विवेकानंद का दर्शन हमें याद दिलाता है कि वास्तविक प्रबंधन वही है जो मानवीय मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत विकास (Sustainable Development) को प्राथमिकता दे। हम ऐसे ही संवेदनशील और दूरदर्शी लीडर्स तैयार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं जो केवल कॉर्पोरेट जगत को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को एक नई दिशा दे सकें।

सादर,

समपादकीय टीम "विश्वत न्यूज़ लेटर"

स्वामी विवेकानंद स्कूल ऑफ मैनेजमेंट: नेतृत्व निर्माण की पौधशाला

विवेकानंद स्कूल ऑफ मैनेजमेंट भविष्य के दूरदर्शी प्रबंधकों और वैश्विक लीडर्स को गढ़ने वाला एक उत्कृष्ट केंद्र (Centre of Excellence) है। यहाँ विद्यार्थियों को मानव संसाधन (HR), विपणन (Marketing), वित्त (Finance), सूचना प्रौद्योगिकी (IT) एवं सामान्य प्रबंधन के क्षेत्रों में वैश्विक मानकों के अनुरूप उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान की जाती है। अध्ययनशाला का मुख्य ध्येय विद्यार्थियों को ऐसे व्यावहारिक ज्ञान और रणनीतिक कौशल से सुसज्जित करना है, जो उन्हें कॉर्पोरेट जगत में सफल नेतृत्व के योग्य बनाए।

वर्तमान में यहाँ बीबीए (BBA) एवं एमबीए (MBA) के व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित हैं। हमारी शिक्षा पद्धति केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें केस स्टडीज, लाइव प्रोजेक्ट्स, समर इंटर्नशिप और कॉर्पोरेट सेमिनार जैसी 'अनुभवात्मक अधिगम' (Experiential Learning) गतिविधियाँ अनिवार्य रूप से शामिल हैं। हमारे अनुभवी संकाय सदस्य (Faculty) विद्यार्थियों में व्यावहारिक दक्षता, निर्णय क्षमता और संकट प्रबंधन (Crisis Management) के गुणों का विकास करते हैं।

हमारी दृष्टि (Vision)

- **व्यावसायिक पद्धतियों को सामाजिक कल्याण के अनुकूल रूपांतरित करना तथा स्वयं को मध्य प्रदेश के शीर्ष व सबसे विश्वसनीय प्रबंधन शिक्षण संस्थानों में स्थापित करना।**

हमारा मिशन (Mission)

- **उद्यमशीलता:** विद्यार्थियों में लीक से हटकर सोचने और नए स्टार्टअप्स शुरू करने की सोच (Entrepreneurial Mindset) विकसित करना।
- **नैतिक शिक्षा:** पाठ्यक्रम के साथ-साथ नैतिक प्रबंधन, मानवीय मूल्यों और कॉर्पोरेट गवर्नेंस को चरित्र में उतारना।
- **उत्तरदायित्व:** भावी प्रबंधकों में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास (Sustainable Development) के प्रति जिम्मेदारी की भावना जाग्रत करना।

स्वामी विवेकानंद स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा का अनूठा समन्वय है। अध्ययनशाला के संकाय सदस्यों द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता के सिद्धांतों का कर्मचारी प्रदर्शन (Employee Performance) और कार्यकुशलता पर पड़ने वाले प्रभावों का गहन अध्ययन किया गया है, जिसके शोध पत्र भी प्रकाशित हुए हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि प्रबंधन केवल लाभ कमाने का विज्ञान नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण का भी विषय है।

अंततः, उद्यमशीलता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और नैतिक प्रबंधन को मूल आधार मानते हुए, हम देश और दुनिया को ऐसे योग्य कर्णधार व दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता सौंपने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो अपनी योग्यता के बल पर समाज और कॉर्पोरेट जगत में बदलाव की एक नई इबारत लिखेंगे।

प्रगति और परंपरा का संगम

भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक प्रबंधन शिक्षा के समन्वय का अद्भुत उदाहरण हमारे ' स्वामी विवेकानंद स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में देखने को मिलता है। यहाँ जहाँ एक ओर विद्यार्थी नैतिक मूल्यों को आत्मसात कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वे कॉर्पोरेट और अकादमिक जगत में सफलता के नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रहे हैं।

अकैडमिक उपलब्धियाँ: संस्थान में शोध और नवाचार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। हमारे प्रतिष्ठित शिक्षकों और प्रतिभावान विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में कई उच्च स्तरीय शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं। इसके साथ ही, नवीन परियोजनाओं और पेटेंट पर भी कार्य निरंतर जारी है।

मेधावी विद्यार्थी (Merit List): संस्थान के शैक्षणिक सत्र 2023-24 में अपनी मेधा का परचम लहराते हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में—BBA प्रथम वर्ष से दृष्टि पटेल, द्वितीय वर्ष से संजना पटेल और तृतीय वर्ष से साक्षी बरोले शामिल हैं। इसी क्रम में, MBA प्रथम वर्ष में मेधा जोहरी और द्वितीय वर्ष में अम्मार सैफ़ी ने सर्वोच्च रैंक प्राप्त कर संस्थान को गौरवान्वित किया है।

कैंपस प्लेसमेंट: हमारी व्यावहारिक शिक्षा पद्धति का ही प्रतिफल है कि इस वर्ष भी हमारे विद्यार्थियों का चयन देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ है। सत्र 2023-24 में साक्षी बरोले, स्नेहा चौहान व दिशा जैन (TCS), अवधेश परमार व अम्मार सैफ़ी (नेक्स्ट एजुकेशन), शोएब खान व राजीव सोनी (SK फाइनेंस), संगीता वासले (प्रताप डिजिटल कम्युनिकेशन) तथा देवांश शर्मा (ICICI बैंक) ने अग्रणी संस्थानों में चयनित होकर सफलता का नया मार्ग प्रशस्त किया है।

हमारा ध्येय (Future Vision): स्वामी विवेकानंद स्कूल ऑफ मैनेजमेंट केवल पारंपरिक शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आधुनिक सोच और सुदृढ़ नैतिक मूल्यों का एक ऐसा जीवंत मंच है जहाँ हर छात्र अपनी अनूठी पहचान बना सकता है। हमारा वास्तविक प्रयास देश और दुनिया को ऐसे आत्मनिर्भर, जागरूक और विचारवान लीडर्स सौंपने का है, जो अपनी उत्कृष्ट निर्णय-क्षमता और उच्च आदर्शों के बल पर व्यापार जगत और समाज में तरक्की के नए रास्ते खोलेंगे।

नवांकुर: सृजनशीलता और युवा स्वर

युवा मन केवल सपने नहीं देखता, बल्कि नए विचारों से भविष्य की दिशा भी निर्धारित करता है। इस स्तंभ में विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ, प्रबंधन संबंधी चिंतन और भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित विचार प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जो ज्ञान और नवाचार का सुंदर संगम हैं।

1. नया ट्रेंड : मानवीय प्रबंधन

आज का प्रबंधन केवल लाभ कमाने की कला नहीं रहा। नया ट्रेंड ऐसे नेतृत्व का है जो कर्मचारियों को संसाधन नहीं, बल्कि संगठन की सबसे बड़ी पूंजी मानता है। संवेदनशीलता, सहयोग और विश्वास ही आधुनिक प्रबंधन की वास्तविक शक्ति हैं।

– दृष्टि, BBA

2. भारतीय मूल्य और प्रबंधन

भारतीय संस्कृति हमें "वसुधैव कुटुम्बकम्" का संदेश देती है। यही सिद्धांत प्रबंधन में टीम भावना, समावेशिता और साझा विकास का आधार बनता है। जब संगठन परिवार की तरह कार्य करता है, तब सफलता स्थायी बनती है।

– संजना, BBA

3. प्रबंधन गीता के अनुसार

श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश है – "कर्मण्येवाधिकारस्ते।" एक कुशल प्रबंधक परिणाम की चिंता से अधिक अपने कर्तव्य और कर्म की गुणवत्ता पर ध्यान देता है। उत्कृष्ट कार्य ही उत्कृष्ट परिणामों की नींव है।

– मेधा, MBA

4. रामायण से प्रबंधन के सूत्र

रामायण हमें नेतृत्व में मर्यादा, धैर्य और टीम निर्माण का महत्व सिखाती है। भगवान राम ने विविध क्षमताओं वाले लोगों को साथ लेकर एक ऐसा संगठन बनाया जिसने असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य को भी संभव कर दिखाया।

– प्रमोद , MBA

5. हनुमान चालीसा और कार्य प्रबंधन

हनुमान जी की सबसे बड़ी विशेषता थी – समर्पण, निष्ठा और कार्य के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता। किसी भी संगठन में यदि कर्मचारी अपने दायित्व को सेवा भाव से निभाएँ, तो सफलता निश्चित है।

– अवदेश MBA

6. मानव व्यवहार और प्रबंधन

प्रबंधन का केंद्र मशीनें नहीं, मनुष्य हैं। जो प्रबंधक लोगों की भावनाओं, अपेक्षाओं और क्षमताओं को समझता है, वही सफल नेतृत्व कर सकता है। मानव व्यवहार को समझना ही प्रभावी प्रबंधन की पहली सीढ़ी है।

– पुजा, BBA

7. "नेतृत्व पद से नहीं, दृष्टि से जन्म लेता है।"

"प्रबंधन का सर्वोच्च उद्देश्य केवल संगठन का विकास नहीं,
बल्कि मनुष्य और समाज का उत्थान भी है।"
"स्वामी विवेकानंद के शब्दों में – स्वयं पर विश्वास करो,
यही सफलता का प्रथम प्रबंधन मंत्र है।"

–मुस्कान, BBA

8. . चाणक्य नीति और प्रबंधन

आचार्य चाणक्य ने बताया कि सफल नेतृत्व दूरदर्शिता, अनुशासन और सही निर्णय लेने की क्षमता पर आधारित होता है। एक प्रबंधक को वर्तमान के साथ भविष्य की चुनौतियों को भी समझना चाहिए। रणनीति ही सफलता का आधार है।

–रचना, MBA

8. उद्यमिता : अवसरों की पहचान

उद्यमी वही है जो समस्याओं में भी संभावनाएँ खोज लेता है। आज का युवा नौकरी पाने के साथ-साथ रोजगार सृजन की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। नवाचार और

आत्मविश्वास उद्यमिता की पहली पूंजी हैं।

– सीमा BBA

9. पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन

विकास तभी सार्थक है जब वह प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर किया जाए। आधुनिक प्रबंधन में हरित तकनीक, संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और सतत विकास की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

– पर्व MBA

10. स्वामी विवेकानंद और युवा नेतृत्व

स्वामी विवेकानंद युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति मानते थे। उनका संदेश था कि आत्मविश्वास, साहस और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही नेतृत्व की पहचान है। एक सच्चा नेता वही है जो स्वयं प्रेरित हो और दूसरों को भी प्रेरित करे।

– आयुष BBA

11. टीमवर्क: सफलता का सूत्र

किसी भी संगठन की सफलता केवल एक व्यक्ति के प्रयासों से संभव नहीं होती। जब विभिन्न प्रतिभाएँ एक लक्ष्य के लिए मिलकर कार्य करती हैं, तब असाधारण परिणाम प्राप्त होते हैं। टीमवर्क विश्वास और सहयोग की नींव पर खड़ा होता है।

– श्रष्टि MBA

5. ज्ञान, कौशल और सेवा: छात्र विकास के सशक्त आयाम

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करना है जो ज्ञानवान होने के साथ-साथ कुशल, संवेदनशील और उत्तरदायी भी हो। विवेकानंद स्कूल ऑफ मैनेजमेंट इसी विश्वास के साथ विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर रहा है।

यहाँ शिक्षा पुस्तकों के पन्नों तक सीमित नहीं रहती; वह परियोजनाओं में आकार लेती है, इंटर्नशिप में अनुभव बनती है, प्रस्तुतिकरणों में आत्मविश्वास जगाती है और शोध गतिविधियों में नवाचार की नई संभावनाओं को जन्म देती है। उद्योग जगत से सतत संवाद विद्यार्थियों को वास्तविक व्यावसायिक परिवेश से परिचित कराता है, जिससे वे केवल नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि अवसरों का सृजन करने वाले नेतृत्वकर्ता बन सकें।

इस वर्ष हमारे विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, नेक्स्ट एजुकेशन, एस.के. फाइनेंस तथा प्रताप डिजिटल कम्युनिकेशन जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी पहचान बनाई। प्रत्येक चयन केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि सपनों, समर्पण और सतत प्रयासों की सफलता की कहानी है।

हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल पेशेवर सफलता तक पहुँचाना नहीं, बल्कि उनमें सेवा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के संस्कार भी विकसित करना है। स्वामी विवेकानंद का यह संदेश— "हम वही बनते हैं जो हमारे विचार हमें बनाते हैं"— हमारे छात्र विकास मॉडल की आधारशिला है।

ज्ञान से कौशल, कौशल से आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भरता से समाज सेवा की यह यात्रा ही हमारे शैक्षिक दर्शन का सार है। यही यात्रा हमारे विद्यार्थियों को केवल सफल प्रबंधक नहीं, बल्कि जागरूक नागरिक, संवेदनशील नेतृत्वकर्ता और राष्ट्र निर्माण के सक्रिय सहभागी बनने की प्रेरणा देती है।

युवा शक्ति, राष्ट्र शक्ति

" स्वामी विवेकानंद का विश्वास था कि प्रत्येक युवा में अनंत संभावनाएँ निहित हैं।
हमारा प्रयास उन संभावनाओं को पहचानकर उन्हें उत्कृष्टता, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की दिशा देना है। "

अंक 21, क्रमांक -6,
माहः अप्रैल 2026

विश्वत

वृतांत

14/04/2026

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय में भव्य संयुक्त आयोजन सम्पन्न
डॉ. आंबेडकर जयंती, ए.आई. मिशन लोकार्पण एवं रमन उत्कृष्टता पुरस्कार वितरण आयोजित

खंडवा स्थित डॉ सी वी रमन विश्वविद्यालय में डॉ. आंबेडकर जयंती, एआई मिशन लोकार्पण एवं रमन उत्कृष्टता पुरस्कार वितरण का भव्य संयुक्त आयोजन सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. संतोष चौबे ने डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित कर "कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन 2026–2035" का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में एआई के महत्व, हैप्पीनेस इंडेक्स एवं शैक्षणिक सुधारों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

कुलसचिव रवि चतुर्वेदी ने विश्वविद्यालय की प्रगति पर प्रकाश डाला, वहीं कुलगुरु डॉ. अरुण जोशी ने इसे नवाचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में "रमन उत्कृष्टता पुरस्कार" प्रदान कर प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

15/04/2026

डॉ. सीवी रामन विश्वविद्यालय की नई छात्र परिषद ने शपथ लीकुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने छात्रों को शपथ दिलाई। नई कैंटीन का उद्घाटन किया एवं होस्टल सुविधा और कम्युनिटी रेडियो स्टेशन को स्वीकृति दी।

खंडवा स्थित डॉ. सीवी रामन विश्वविद्यालय में तृतीय छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ, जिसमें कुलाधिपति डॉ. संतोष चौबे ने छात्रों को शपथ दिलाई। समारोह की अध्यक्षता कुलगुरु डॉ. अरुण जोशी ने की, जबकि कुलसचिव रवि चतुर्वेदी ने छात्र परिषद को विश्वविद्यालय का ध्वज प्रदान कर मान्यता दी।

इस अवसर पर नई कैंटीन का उद्घाटन किया गया तथा हॉस्टल सुविधा एवं कम्युनिटी रेडियो स्टेशन की स्थापना को स्वीकृति दी गई। छात्रसंघ में विभिन्न पदाधिकारियों का चयन कर नेतृत्व विकास को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में पुस्तक विमोचन सहित अनेक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी सम्पन्न हुईं।

17/04/2026

पोषण पखवाड़ा और मिशन हैप्पी ग्रामोत्थान के तहत गोद ग्राम दोडवाड़ा में डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय की रासेयो इकाई का आयोजन हुआ

खंडवा स्थित डॉ. सीवी रामन विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं एम. एल. श्रॉफ फार्मेसी स्कूल द्वारा गोद ग्राम दोडवाड़ा में पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलसचिव रवि चतुर्वेदी ने बताया कि गोद ग्रामों में ग्रामोत्थान योजना के तहत पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

एनएसएस अधिकारी विजय इंगले के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं बच्चों को पोषणयुक्त आहार और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही "मिशन हैप्पी ग्रामोत्थान" के तहत सूक्ष्म नियोजन योजना का शुभारंभ कर ग्राम विकास एवं डेटा संकलन कार्य प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरुण जोशी के मार्गदर्शन में ग्रामीण विकास एवं शोध आधारित कार्यों पर विशेष बल दिया गया।

21/04/2026

डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय खंडवा में ७ दिवसीय पृथ्वी दिवस अभियान २०२६ का शुभारंभ २२ अप्रैल से

खंडवा स्थित डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में २२ अप्रैल से "पृथ्वी दिवस २०२६" के अंतर्गत ७ दिवसीय पर्यावरण जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान "Our Power, Our Planet" थीम पर आधारित है, जो Ministry of Earth Sciences के सहयोग से संचालित हो रहा है।

इस दौरान क्विज, पोस्टर प्रतियोगिता, मानव श्रृंखला, स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस पहल में विद्यार्थियों एवं समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

28/04/2026

डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में पृथ्वी दिवस के अंतर्गत ७ दिवसीय आयोजन किए गए

खंडवा स्थित डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में ७ दिवसीय पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कुलसचिव रवि चतुर्वेदी ने बताया कि यह आयोजन Ministry of Earth Sciences के निर्देशानुसार सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान रैली, पोस्टर निर्माण, मानव श्रृंखला एवं शपथ ग्रहण जैसे विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कुलगुरु डॉ. अरुण जोशी ने पर्यावरण संरक्षण को समय की आवश्यकता बताते हुए विद्यार्थियों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अभियान के अंतर्गत "No Polythene, No Plastic" एवं स्वच्छ ऊर्जा के संदेश के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

संपादकीय मंडल

संरक्षक : प्रो. (डॉ.)अरुण रमेश जोशी,
कुलगुरु, सी. वी. आर. यू. खंडवा,
प्रधान संपादक : श्री रवि चतुर्वेदी,
कुलसचिव, सी. वी. आर. यू. , खंडवा,
कार्यकारी संपादक : प्रो. नेहा शुक्ला, मुख्य प्रकाशन अधिकारी
सदस्य : 1. डॉ. सीमा शर्मा, डायरेक्टर रिसर्च एंड इनोवेशन
2. डॉ. गणेश मलगाया, डायरेक्टर केंद्रीय प्रयोगशाला समन्वयक
3. प्रो. योगेश महाजन, अधिष्ठाता अकादमिक
संकल्पना : श्री प्रमोद पटेल, ग्राफिक डिजाइनर
प्रकाशन विभाग
संचार एवं प्रसार : श्री मनदीप सिंह पंवार, अध्ययनशाला समन्वयक
आर्यभट्ट स्कूल ऑफ डिजिटल लर्निंग
श्री हमज़ा मलिक,
वनमाली केन्द्रीय ग्रंथालय